जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 211 प्रभात कोटा, शुक्रवार 16 मई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा ने गुरुवार को जयपुर में अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा का न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, जामा मस्जिद पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित भाजपा नेता, पदाधिकारी, सांसद, विधायक, विद्यार्थी, महिलाएं-बुजुर्ग इय तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

लड़ाई केरल के मुख्यमंत्री के पद की है

थरुर को रेस से बाहर करने के लिये, के.सी. वेणुगोपाल ने जयराम को मोहरा बनाया है

- जयराम रमेश, वेणुगोपाल को खुश करने के लिये, बार-बार शशि थरुर को टारगैट बना रहे हैं।
- राहुल गांधी को वेणुगोपाल पर पूर्ण विश्वास है, अतः वे वेणुगोपाल-जयराम रमेश की थरुर को पार्टी से बाहर निकलवाने की साजिश से पूरी दूरी बनाते हुए, "जो चल रहा है, चलने दो" की नीति से आगे बढ़ रहे हैं।
- जयराम रमेश ने यह बात फैलायी कि सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में शशि थरुर को चेतावनी दी गई कि वे ऐसे वक्तव्य न दें, जिससे पार्टी को राजनीतिक हानि हो रही है। पर, गहराई से जाँच करने से ज्ञात हुआ कि बैठक में ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। जयराम के कुप्रचार से शशि थरुर जरुर विचलित हो गये और सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक के बारे में ऑफिशियल स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। शशि थरुर दुखी और असमंजस में हैं। वह कांग्रेस पार्टी छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें लगता है कि उन्हें मजबूर किया जा रहा है, क्योंकि, के.सी. वेणुगोपाल के नेतृत्व वाला एक गुट ऐसे हालात बना रहा है कि उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़े।

यह सारा विवाद केरल के मुख्यमंत्री पद को लेकर है, जिसमें वेणुगोपाल का पूरा ध्यान केवल केरल की कुर्सी पर केंद्रित है।

रमेश चेन्नीथला एक मजबूत दावेदार हैं, जिन्हें लगता है कि मुख्यमंत्री बनने का उनके लिए यह आखिरी मौका है। वह पार्टी में लोकप्रिय हैं और अधिकांश विधायक उनका समर्थन करते हैं।

इस दौड़ में शशि थरुर, मुख्य विपक्षी नेता सतीशन और करुणाकरन के बेटे मुरलीधरन भी शामिल हैं।

रमेश चेन्नीथला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के काफी नज़दीकी हैं, जबकि वेणुगोपाल का राज्य में कोई विशेष आधार नहीं है, लेकिन उनकी ताकत राहुल गांधी हैं।

केरल कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर जबरदस्त घमासान छिड़ चुका है और जयराम रमेश के कारण अब यह विवाद कांग्रेस कार्यसमिति (सी.डब्ल्यु.सी.) तक पहुँच गया है। जयराम रमेश शशि थरुर को पार्टी से बाहर करने के लिए के.सी. वेणुगोपाल को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में जयराम रमेश ने एक टिप्पणी की कि कुछ लोगों ने "लक्ष्मण रेखा" पार कर दी है। उनका इशारा शशि थरुर के उन बयानों की ओर था जिन्हें सरकार और नरेन्द्र मोदी के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

हालांकि किसी का नाम नहीं लिया गया और इस मुद्दे पर सी.डब्ल्यु.सी. में कोई चर्चा नहीं हुई और पार्टी नेतृत्व ने शशि थरुर को इस पर कोई फटकार भी नहीं लगाई।

ब्रीफिंग के दौरान एक सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने टिप्पणी की कि थरुर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता नहीं हैं और न ही वह पार्टी की ओर से बोलते हैं।

बाद में उन्होंने मीडिया को जानकारी दी कि नेतृत्व ने थरुर को फटकार लगाई और कहा कि वह सरकार के समर्थन में बयान न दें जैसा कि वह करते रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या थरुर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी, क्योंकि उन्होंने "लक्ष्मण रेखा" पार की है, तो उन्होंनें "नहीं" में जवाबद दिया और कहा कि अब कुछ नहीं होगा।

यह साफ तौर पर विरोधाभास को दर्शाता है। अगर वाकई में लक्ष्मण रेखा पार हुई है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? लेकिन कौन जानता है कि वह असल में क्या कहना चाह रहे थे।

अगले दिन मलयालम अख़बारों और चैनलों में बड़ी-बड़ी सुर्खियों के साथ खबरें छपीं कि थरुर को पार्टी नेतृत्व ने फटकार लगाई है।

शशि थरुर को सफाई देनी पड़ी कि सी.डब्ल्यु.सी. में ऐसा कुछ नहीं हुआ और वह कुछ मुद्दों पर सरकार का समर्थन उसी तरह कर रहे हैं जैसे कि उनकी पार्टी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जोश व उत्साह का माहौल था जयपुर की तिरंगा यात्रा में

यह नया भारत है, जहाँ आतंकियों की मदद करने वालों को करारा जवाब दिया जाता है- मुख्यमंत्री

- जौहरी बाज़ार में जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय ने तिरंगा-यात्रा का भव्य स्वागत किया। सांगानेरी गेट पर हनुमान मंदिर को तिरंगे की पौशाक में सजाया गया।

जयपुर, 15 मई। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा जयपुर में गुरुवार को निकाली गई। तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित, भाजपा नेता, पदाधिकारी, सांसद, विधायक, समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग, विद्यार्थी, महिलाएं-बुजुर्ग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान रास्तों में फूलों की वर्षा के साथ देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय ने भी यात्रा का स्वागत कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, "पहलगाम हमले के बाद देशवासियों के मन में जो आक्रोश था, उसे हमारी सेना ने आतंकियों के अड्डों पर हमला कर शांत किया। यह नया भारत है, जहां आतंकियों की मदद करने वालों को करारा जवाब दिया जाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारतीय सेना के सम्मान में प्रदेश के हर नागरिक की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति, पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए समान रूप से जरूरी है। कांग्रेस नेताओं को भी इसमें शामिल होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा प्रदेश के सभी संभागों, जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि सेना ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि "टैरर" और "टॉक" एक साथ नहीं चल सकते। तिरंगा यात्रा के दौरान सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, और जामा मस्जिद पर लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए और यात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के भी नारे लगाए गए।

तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राएं भी देशभक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। सांगानेरी गेट के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर को तिरंगे की पोशाक से सजाया गया था।

तिरंगा यात्रा कार्यक्रम मंच पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, बालमुकुंदाचार्य, तिरंगा यात्रा प्रदेश समन्वयक भूपेन्द्र सैनी और अंकित चेची, भाजपा जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, मेयर कुसुम यादव, उप महापौर पुनीत कर्नावट सहित, प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे।

'26 तक एसआई भर्ती का निर्णय दो वरना आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे'

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम अवसर दिया।

जयपुर, 15 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार को भर्ती के अस्तित्व पर 26 मई तक निर्णय लेने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि यदि आगामी सुनवाई तक भर्ती को लेकर निर्णय कर अदालत को अवगत नहीं कराया गया तो प्रक्रिया में शामिल लोगों को आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर भर्ती पर निर्णय करने के लिए समय मांगा। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि अदालत ने गत 21 फरवरी को राज्य सरकार को भर्ती पर निर्णय करने को कहा था। राज्य सरकार की ओर से अब तक 47 दोषी प्रशिक्षु एसआई को बर्खास्त किया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'किराना हिल्स से "रेडियोएक्टिव लीकेज" नहीं हुआ'

इन्टरनैशनल एटॉमिक एनर्जी एजेन्सी ने साफ स्पष्टीकरण दिया कि पाकिस्तान की न्यूक्लियर वैपन्स स्टोरेज सुविधा से कोई "रेडिएशन लीक" नहीं हुई

- यह अफवाह, इसलिए फैली कि यू.एस. बीचक्राफ्ट बी 350, को पाकिस्तान की एयर स्पेस में देखा गया था। यह हवाई जहाज, ऐसे रेडियोएक्टिव प्रदूषण (कन्टैमिनेशन) की पहचान करने के काम आता, जो अचानक लीकेज से फैल गया हो।
- अफवाह को इस बात से भी पुष्टि मिली कि मिस्र से एक हवाई जहाज, "बोरोन" लेकन पाकिस्तान आया था। "बोरोन", रेडियोएक्टिव एमिशन पर नियंत्रण पाने के लिये काम में लाया जाता है।
- इन अफवाहों के कारण आई.ए.ई.ए. के प्रवक्ता को वक्तव्य देना पड़ा कि किराना हिल्स में कोई रेडियोएक्टिव लीक नहीं हुई।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि भारतीय मिसाइलों के बाद, किराना हिल्स-स्थित पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियार स्टोर से रिसाव हो रहा है, लेकिन इन्टरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के स्पष्टीकरण के बाद, इन सारी अटकलों और चर्चाओं पर विराम लग गया है। आईएईए ने कहा है कि पाकिस्तान की किसी भी न्यूक्लियर फेसिलिटी से कोई रेडिएशन लीकेज नहीं हो रही है।

इन अटकलों को उस समय बल मिला था, जब पाकिस्तानी एयरस्पेस में अमेरिकन बीचक्राफ्ट बी 350 एरियल मैजरिंग सिस्टम (एएमएस) ने लीकेज डिटैक्ट किया। जानकारी मिली थी। यह एयरक्राफ्ट अमेरिकन डिपार्टमेन्ट और एनर्जी फ्लीट का हिस्सा है, जो आपातकालीन स्थितियों में रेडियोऐक्टिव कन्टेमिनेशन को चिन्हित करने के लिये तैयार किया गया है। ये अफवाहें उस समय फिर जोर पकड़ गईं, जब अमेरिकन डिपार्टमेन्ट ऑफ स्टेट के प्रिंसिपल डिप्टी स्पोक्सपर्सन टॉमी पिगॉट हाल ने ही की एक प्रैस -ब्रीफिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत अमेरिका से आयातित सामान पर कुछ भी टैरिफ नहीं लगायेगा'

ट्रम्प ने यह अजीबोगरीब वक्तव्य दिया, जो कतई सम्भव नहीं लगता

- उदाहरण के लिये, जब आयातित सामान पर कुछ भी टैरिफ नहीं होगा, तो, देश में निर्मित सामान स्वतः ही बाहर से आयातित सामान से महँगा हो जायेगा। जैसे, भारत में निर्मित किसी भी सामान पर, निर्माता को जी.एस.टी. देना अनिवार्य होता है। दूसरी ओर आयातित सामान पर कोई जी.एस.टी. नहीं लगता, क्योंकि, आयातित वस्तुओं का निर्माण भारत में हो नहीं रहा। अतः अनायास ही स्वदेशी निर्मित सामान, आयातित सामान से जी.एस.टी. टैक्स की वैल्यू जितना महँगा अपने आप हो गया।
- अतः, "नो टैरिफ" एग्रीमैंट लागू करने के लिये काफी मेहनत करनी होती है, काफी बारीकी से अध्ययन करके, "काउन्टर प्रीवेलिंग" टैक्स का प्रावधान करना होता है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को "नो टैरिफ" (शुल्क-मुक्त) व्यापार समझौते की पेशकश की है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में सबसे अद्वितीय घटना हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का दावा है कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर ज़ीरो टैक्स का वादा किया है।

ट्रंप ने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन की सशस्त्र झड़प उस समय सुलझी जब उन्होंने दोनों देशों को व्यापार का प्रस्ताव दिया। अपने विशिष्ट बेपरवाह अंदाज़ में उन्होंने कहा था, "तुम युद्ध रोको, मैं व्यापार करूंगा। अगर लड़ाई नहीं रुकी, तो व्यापार नहीं होगा।"

अब डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिका को ऐसे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बायलेटरल ट्रेड) की पेशकश की है जिसमें कोई भी शुल्क नहीं होगा। ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड का एक कमज़ोर सा समझौता होने के बाद अमेरिका के लिए यह पहला बड़ा व्यापार सौदा हो सकता है।

अगर यह सच है, तो यह "मुक्त व्यापार समझौते" का एक अनोखा उदाहरण होगा जहाँ दो देशों के बीच बिना किसी शुल्क के व्यापार किया जाएगा। सामान्यतः, मुक्त व्यापार समझौते इस प्रकार के नहीं होते हैं।

जब मुक्त व्यापार समझौते किए भी जाते हैं, तो ये केवल शुल्क ही नहीं, बल्कि, व्यापार और मर्चैन्डाइज़ स्टैण्डर्ड्स (माल मानक) की संपूर्ण प्रणाली को विस्तार से शामिल करते हैं। अतः उदाहरण के लिए, एक मुक्त व्यापार समझौता यह निर्धारित करता है कि किसी निर्यात किए गए उत्पाद में स्थानीय सामग्री की कितनी हिस्सेदारी होनी चाहिए।

इसके अलावा, कुछ टैक्स और शुल्क भी होते हैं जो घरेलू कंपनियों द्वारा किसी वस्तु के निर्माण में चुकाए जाते हैं। इन घरेलू शुल्कों के लिए समायोजन प्रावधान आवश्यक होते हैं, अन्यथा घरेलू निर्माता अनुचित व्यापार का शिकार हो सकते हैं।

उदाहरण के लिए, भारतीय घरेलू उत्पादकों को जीएसटी, वस्तु एवं सेवा कर, अनिवार्य रूप से चुकाना होता है। यदि भारतीय निर्माता जीएसटी चुकाते हैं और विदेशी निर्माता बिना किसी टैक्स के भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, तो घरेलू निर्माता उस जीएसटी के कारण प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं।

डॉनल्ड ट्रंप द्वारा बिना तथ्यों के किए जाने वाले दावे व्यापार और वाणिज्य की इन जटिलताओं को सामान्यतः अनदेखा करते हैं।

ऐसे मामलों में, जहां टैक्स का प्रभाव अलग-अलग होता है, वहां आयातित वस्तुओं पर भी वही घरेलू कर लगाए जाते हैं जो घरेलू वस्तुओं पर लागू होते हैं।

ये "काउन्टरवेलिंग टैक्स" (प्रतिसंतुलन कर)होते हैं, जो अंतिम कीमत पर टैक्स का प्रभाव बराबर रखने के लिए होते हैं।

भारत और अमेरिका की टीमें फिलहाल कुछ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रही हैं, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हाल ही में घोषित टैरिफ के बाद। ट्रंप के शासन में अमेरिका ने सभी आयातों पर 10 प्रतिशत का व्यापक शुल्क लगाया था। इसके अतिरिक्त, अमेरिका ने रैसिप्रोकल टैक्सेज़ (प्रतिस्पर्धात्मक कर) की घोषणा की थी, जो अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार किए गए किसी फॉर्मूले पर आधारित होते हैं।

ये टैक्स अमेरिका प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से लगाए गए थे। उदाहरण के लिए, चीन के मामले में, अमेरिका ने कुल मिलाकर 145 प्रतिशत तक के शुल्क लगा दिए थे। चीन ने भी उसी स्तर पर प्रतिशोध लिया। इन प्रतिशोधी कार्रवाइयों के बाद, चीन और अमेरिका अब अपने टैरिफ को अधिक व्यवहारिक स्तरों पर लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिका ने चीन से आयात पर अपने शुल्क को घटाकर लगभग 30 प्रतिशत कर दिया है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जज 100 किलोमीटर गए दुष्कर्म पीड़िता को राहत देने

- कोटपूतली-बहरोड़ में नाबालिग रेप पीड़िता का चिकित्सकों ने गर्भपात करने से मना कर दिया था और हाई कोर्ट का आदेश लाने को कहा था, इस पर विधिक सेवा प्राधिकरण ने एडीजे पवन जीनवाल को तत्काल वहाँ भेजा।

जयपुर, 15 मई। कोटपूतली-बहरोड में चिकित्सकों ने एक नाबालिग रेप पीड़िता का गर्भपात करने से इनकार कर, उन्हें हाईकोर्ट का आदेश लाने को कहा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को मामले की जानकारी मिलने पर सदस्य सचिव हरिओम अत्रि ने गंभीरता दिखाते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे पवन जीनवाल को जयपुर से तत्काल सौ किलोमीटर दूर अस्पताल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)